

झूलना में झूल साईं झूलना में झूल॥

चन्दन का पींघड़ा रेशम की डोरी
झूले हिण्डोले साईं अमड़ि की जोड़ी
झूलो पड़ियो है कदम्ब की मूल॥

कृपा के झूले में झूले सदां साईं
महिर महबत के मेघ बरसाईं
कोकिल बनो तो हमें जाना न भूल॥

लक्ष्मी नारायण हिण्डोला झुलाइनि
शुक सनकादिक गुण गीत गाइनि
रिषी मुनि सब होवें अनुकूल॥

साईं साहिबु रघुनाथ दुलारो
प्रीतम प्रेमी सन्तनि प्राण प्यारो
देवता वरसाइनि कल्प लता के फूल॥

वर्षा रितु में फूलियो वृन्दावन है
सुख निवासु बनियो साकेत चमन है
साईं अमड़ि झूलें कालंदी के कूल॥